बाल दिवस पर भाषण और निबंध 2026 (Bal Diwas Speech and Essay in Hindi)

1 और 3 मिनट का भाषण, शिक्षक का भाषण, 100 से 500 शब्दों के निबंध और 10 पंक्तियाँ।

बाल दिवस 2026: शनिवार, 14 नवंबर

बाल दिवस पर 1 मिनट का भाषण

लगभग 120 शब्द। आराम से बोलें तो करीब एक मिनट।

> आदरणीय प्रधानाचार्य जी, सम्मानित शिक्षकगण और मेरे प्यारे साथियों,
>
> आप सभी को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!
>
> आज 14 नवंबर है। आज ही के दिन, सन 1889 में, इलाहाबाद में पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म हुआ था। वे आज़ाद भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। बच्चों से उन्हें इतना लगाव था कि बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे। इसीलिए उनका जन्मदिन हम बाल दिवस के रूप में मनाते हैं।
>
> नेहरू जी मानते थे कि देश का भविष्य बच्चों के हाथ में है। अगर बच्चे पढ़-लिखकर, स्वस्थ रहकर और खुलकर सवाल पूछना सीखेंगे, तो देश अपने आप आगे बढ़ेगा।
>
> तो आइए, आज ख़ूब खेलें, ख़ूब हँसें, और यह भी याद रखें कि हर बच्चे को स्कूल जाने और खेलने का हक़ है।
>
> धन्यवाद! जय हिंद!

यही भाषण Roman लिपि में (Transliteration)

> Aadaraniya Pradhanacharya ji, sammanit shikshakgan aur mere pyaare saathiyon,
>
> Aap sabhi ko Bal Diwas ki hardik shubhkaamnaayein!
>
> Aaj 14 November hai. Aaj hi ke din, san 1889 mein, Allahabad mein Pandit Jawaharlal Nehru ka janm hua tha. Ve aazaad Bharat ke pehle Pradhanmantri bane. Bachchon se unhein itna lagaav tha ki bachche unhein pyaar se 'Chacha Nehru' kehte the. Isiliye unka janmdin hum Bal Diwas ke roop mein manaate hain.
>
> Nehru ji maante the ki desh ka bhavishya bachchon ke haath mein hai. Agar bachche padh-likhkar, swasth rehkar aur khulkar sawaal poochhna

> seekhenge, to desh apne aap aage badhega.
>
> To aaiye, aaj khoob khelein, khoob hansein, aur yeh bhi yaad rakhein ki har bachche ko school jaane aur khelne ka haq hai.
>
> Dhanyavaad! Jai Hind!

इसका English अर्थ (What it means in English)

> Respected Principal, honoured teachers and my dear friends,
>
> Warm wishes to all of you on Children's Day!
>
> Today is 14 November. On this day in 1889, Pandit Jawaharlal Nehru was born in Allahabad. He became the first Prime Minister of free India. He was so fond of children that they lovingly called him "Chacha Nehru". That is why we celebrate his birthday as Children's Day.
>
> Nehru ji believed that the country's future is in the hands of its children. If children grow up educated and healthy, and learn to ask questions freely, the country will move forward by itself.
>
> So let us play a lot and laugh a lot today, and also remember that every child has the right to go to school and to play.
>
> Thank you! Jai Hind!

बाल दिवस पर 3 मिनट का भाषण

लगभग 330 शब्द। अगर आपको कक्षा या सदन की ओर से बोलना है, या कार्यक्रम में लंबा समय मिला है, तो यह भाषण लें।

> आदरणीय प्रधानाचार्य जी, सम्मानित शिक्षकगण, यहाँ उपस्थित अतिथिगण और मेरे प्यारे साथियों,
>
> आप सभी को बाल दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएँ!
>
> आज का दिन हम बच्चों का दिन है। आज 14 नवंबर है, पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती। आज मैं आपको नेहरू जी के बारे में कुछ ऐसी बातें बताना चाहता हूँ, जो शायद हम कम जानते हैं।
>
> नेहरू जी का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू एक जाने-माने वकील थे। नेहरू जी ने इंग्लैंड में हैरो स्कूल और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में पढ़ाई की और 1912 में भारत लौटे। वे चाहते तो आराम की ज़िंदगी जी सकते थे, लेकिन उन्होंने गांधी जी के साथ आज़ादी की लड़ाई का रास्ता चुना। इसके लिए वे कई बार जेल गए और कुल मिलाकर नौ साल से ज़्यादा समय जेल में बिताया।

जेल में भी उन्होंने समय बर्बाद नहीं किया। वहाँ से वे अपनी बेटी इंदिरा को लंबी-लंबी चिट्ठियाँ लिखते थे, जिनमें दुनिया का इतिहास समझाते थे। अहमदनगर क़िले की जेल में उन्होंने 'द डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' नाम की पूरी किताब लिख डाली।

15 अगस्त 1947 को देश आज़ाद हुआ और नेहरू जी पहले प्रधानमंत्री बने। लगभग 17 साल तक उन्होंने देश का नेतृत्व किया। उन्हीं के समय में देश में आईआईटी, एम्स, बड़े बाँध और इस्पात के कारख़ाने बने। वे मानते थे कि आज़ाद देश को पढ़े-लिखे और वैज्ञानिक सोच वाले नागरिक चाहिए।

इतने व्यस्त होने के बाद भी वे बच्चों से मिलने का समय निकाल लेते थे। उनकी अचकन पर अक्सर एक गुलाब लगा रहता था, और बच्चे उन्हें 'चाचा नेहरू' कहकर पुकारते थे। वे मानते थे कि हम आज बच्चों को जैसे बड़ा करेंगे, वैसा ही कल का भारत बनेगा।

साथियों, आज हम खेलेंगे, गाएँगे और मिठाई भी खाएँगे। लेकिन आज उन बच्चों को भी याद करें, जो ग़रीबी या मजबूरी के कारण स्कूल नहीं जा पाते। चाचा नेहरू को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम मन लगाकर पढ़ें, सवाल पूछने से न डरें, और अपने आसपास के हर बच्चे का सम्मान करें।

धन्यवाद! जय हिंद!

3 मिनट वाले भाषण का English अर्थ

Respected Principal, honoured teachers, the guests present here and my dear friends,

Lots of good wishes to all of you on Children's Day!

Today is a day for us children. It is 14 November, the 137th birth anniversary of Pandit Jawaharlal Nehru. Today I want to tell you a few things about Nehru ji that we perhaps know less well.

Nehru ji was born on 14 November 1889 in Allahabad. His father, Motilal Nehru, was a well-known lawyer. Nehru ji studied at Harrow School and Cambridge University in England and returned to India in 1912. He could have lived a comfortable life, but he chose the path of the freedom struggle with Gandhi ji. For it he went to jail many times, and spent more than nine years in jail in all.

Even in jail he did not waste time. From there he wrote long letters to his daughter Indira, explaining the history of the world. In the jail at Ahmednagar Fort he wrote a whole book, The Discovery of India.

> The country became free on 15 August 1947 and Nehru ji became the first Prime Minister. He led the country for nearly 17 years. In his time the country built IITs, AIIMS, big dams and steel plants. He believed that a free country needs educated citizens with a scientific way of thinking.
>
> Busy as he was, he still found time to meet children. A rose was often pinned to his achkan, and children called him "Chacha Nehru". He believed that the way we bring up children today will decide the India of tomorrow.
>
> Friends, today we will play, sing and eat sweets too. But today let us also remember the children who cannot go to school because of poverty or hardship. Our true tribute to Chacha Nehru will be to study with care, never be afraid to ask questions, and respect every child around us.
>
> Thank you! Jai Hind!

शिक्षक के लिए छोटा भाषण

कई स्कूलों में 14 नवंबर को भूमिकाएँ बदल जाती हैं: शिक्षक मंच पर प्रस्तुति देते हैं और बच्चे आगे की कतार में बैठते हैं। अगर आपको बच्चों से दो शब्द कहने हैं, तो यह भाषण काम आएगा। लगभग डेढ़ मिनट।

> प्यारे बच्चों और मेरे साथी शिक्षकों, सुप्रभात!
>
> रोज़ जब हम कक्षा में आते हैं, तो आप खड़े होकर हमारा स्वागत करते हैं। आज हम आपके सम्मान में खड़े हैं।
>
> 14 नवंबर पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन है। वे मानते थे कि देश की असली नींव कक्षाओं और खेल के मैदानों में पड़ती है। हम शिक्षक यह रोज़ अपनी आँखों से देखते हैं।
>
> हम देखते हैं कि जो बच्चा जून में एक वाक्य ठीक से नहीं पढ़ पाता था, वह आज प्रार्थना सभा में ज़ोर से पढ़ रहा है। हम देखते हैं कि कोई बिना कहे अपना टिफ़िन बाँट लेता है। आपके कुछ सवाल ऐसे होते हैं जिनका जवाब हमें घर जाकर ढूँढना पड़ता है।
>
> कभी-कभी हम आपके साथ सख़्ती करते हैं, और आगे भी करेंगे। पर हर डाँट के पीछे यही इच्छा होती है कि आप अच्छे इंसान बनें।
>
> आज न होमवर्क की बात होगी, न नंबरों की। आज बस खेलिए, हँसिए और अपनी उम्र का पूरा आनंद लीजिए। बचपन दोबारा नहीं आता।
>
> सभी शिक्षकों की ओर से आप सबको बाल दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। हमें आप पर गर्व है।

बाल दिवस पर निबंध

बाल दिवस पर निबंध (100 शब्द)

हर साल 14 नवंबर को पूरे भारत में बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन है, जो आज़ाद भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। नेहरू जी बच्चों से बहुत प्यार करते थे, इसलिए बच्चे उन्हें 'चाचा नेहरू' कहते थे। वे मानते थे कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। इस दिन स्कूलों में गीत, नृत्य, खेल और प्रतियोगिताएँ होती हैं। कई स्कूलों में शिक्षक बच्चों के लिए कार्यक्रम करते हैं। बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि हर बच्चे को पढ़ने, खेलने और ख़ुश रहने का अधिकार है।

बाल दिवस पर निबंध (150 शब्द)

हर साल 14 नवंबर को पूरे भारत में बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन है। उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। वे लगभग 17 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे। नेहरू जी बच्चों से बहुत प्यार करते थे, इसलिए बच्चे उन्हें 'चाचा नेहरू' कहते थे।

नेहरू जी मानते थे कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। अगर उन्हें अच्छी शिक्षा, पौष्टिक भोजन और खेलने का समय मिले, तो देश मज़बूत बनता है।

इस दिन स्कूलों में विशेष कार्यक्रम होते हैं। कई स्कूलों में शिक्षक बच्चों के लिए गीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत करते हैं। खेलकूद और प्रतियोगिताएँ होती हैं, और मिठाइयाँ बाँटी जाती हैं। छोटे बच्चे अक्सर नेहरू जी की तरह सफ़ेद टोपी पहनकर और कोट पर गुलाब लगाकर आते हैं।

बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि हर बच्चे को सुरक्षित और ख़ुशहाल बचपन मिलना चाहिए। यही चाचा नेहरू का सपना था।

बाल दिवस पर निबंध (250 शब्द)

भूमिका: भारत में हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन बच्चों के नाम है और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर मनाया जाता है।

चाचा नेहरू: नेहरू जी का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। उन्होंने इंग्लैंड में पढ़ाई की और फिर महात्मा गांधी के साथ आज़ादी की लड़ाई में शामिल हो गए। 15 अगस्त 1947 को वे आज़ाद भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। उन्हें बच्चों से बहुत लगाव था। वे जहाँ भी जाते, बच्चों से मिलने का समय निकाल लेते थे, इसलिए बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे।

नेहरू जी के विचार: नेहरू जी मानते थे कि आज हम अपने बच्चों को जैसे पालेंगे, कल का भारत वैसा ही बनेगा। इसलिए वे चाहते थे कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा, पौष्टिक भोजन और खेलने का पूरा मौक़ा मिले। उनके समय में देश में कई नए स्कूल, कॉलेज और विज्ञान संस्थान खुले।

कैसे मनाते हैं: इस दिन स्कूलों में ख़ास रौनक रहती है। कई स्कूलों में बच्चे वर्दी की जगह रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर आते हैं। शिक्षक बच्चों के लिए गीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत करते हैं। खेलकूद, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएँ होती हैं, और मिठाइयाँ बाँटी जाती हैं।

उपसंहार: आज भी हमारे देश में बहुत से बच्चे ग़रीबी की वजह से स्कूल नहीं जा पाते और काम करने को मजबूर हैं। बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि हर बच्चे को सुरक्षित, पढ़ा-लिखा और ख़ुशहाल बचपन मिलना चाहिए। यही चाचा नेहरू का सपना था, और इसे पूरा करना हम सबकी ज़िम्मेदारी है।

बाल दिवस पर निबंध (300 शब्द)

भूमिका: बच्चे किसी भी देश की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। उन्हीं के सम्मान में भारत में हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर मनाया जाता है।

नेहरू जी का जीवन: जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू प्रसिद्ध वकील थे। इंग्लैंड में पढ़ाई पूरी करके वे 1912 में भारत लौटे और महात्मा गांधी के साथ स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गए। आज़ादी की लड़ाई में वे कई बार जेल गए। 15 अगस्त 1947 को देश आज़ाद होने पर वे भारत के पहले प्रधानमंत्री बने और 27 मई 1964 को अपने निधन तक इस पद पर रहे।

बच्चों से लगाव: नेहरू जी को बच्चों से गहरा लगाव था। 1928 की गर्मियों में उन्होंने अपनी दस साल की बेटी इंदिरा को कई चिट्ठियाँ लिखीं, जिनमें धरती और इंसान की कहानी आसान भाषा में समझाई। ये चिट्ठियाँ बाद में किताब के रूप में छपीं। बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे। वे मानते थे कि पढ़े-लिखे, स्वस्थ और जिज्ञासु बच्चे ही मज़बूत भारत बना सकते हैं।

कैसे मनाते हैं: इस दिन स्कूलों का माहौल बदल जाता है। कई स्कूलों में बच्चे वर्दी की जगह रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर आते हैं। शिक्षक बच्चों के लिए गीत, नृत्य और नाटक करते हैं। खेल, चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ होती हैं, और बच्चों को मिठाइयाँ या छोटे उपहार दिए जाते हैं।

उपसंहार: आज भी हमारे देश में बहुत से बच्चे ग़रीबी के कारण स्कूल नहीं जा पाते और काम करने को मजबूर हैं। 2009 के शिक्षा के अधिकार क़ानून के तहत 6 से 14 साल के हर बच्चे को मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार मिला है। बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि यह अधिकार हर बच्चे तक पहुँचे। यही चाचा नेहरू को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बाल दिवस पर निबंध (500 शब्द)

भूमिका: बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। आज जो बच्चे कक्षा में बैठे हैं, वही कल देश के डॉक्टर, शिक्षक, वैज्ञानिक, किसान और नेता बनेंगे। इसी बात को याद रखने के लिए भारत में हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर मनाया जाता है, जिन्हें बच्चे प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे। 2026 में बाल दिवस शनिवार को है और यह नेहरू जी की 137वीं जयंती है।

नेहरू जी का जीवन: जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू एक प्रसिद्ध वकील थे। नेहरू जी ने इंग्लैंड के हैरो स्कूल और कैंब्रिज विश्वविद्यालय में पढ़ाई की और 1912 में भारत लौटे। इसके बाद वे महात्मा गांधी के साथ आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े। अंग्रेज़ों ने उन्हें कई बार जेल भेजा और उन्होंने कुल मिलाकर नौ साल से ज़्यादा समय जेल में बिताया। जेल में ही उन्होंने अपनी प्रसिद्ध किताब 'भारत एक खोज' (The Discovery of India) लिखी। 15 अगस्त 1947 को देश आज़ाद हुआ और नेहरू जी भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। 27 मई 1964 को अपने निधन तक वे इस पद पर रहे।

बच्चों से लगाव: नेहरू जी देश के बड़े-बड़े कामों में व्यस्त रहते थे, फिर भी बच्चों से मिलने का समय ज़रूर निकालते थे। 1928 की गर्मियों में उन्होंने अपनी दस साल की बेटी इंदिरा को कई चिट्ठियाँ लिखीं, जिनमें धरती, जीव-जंतुओं और इंसान की कहानी बहुत आसान भाषा में समझाई। ये चिट्ठियाँ बाद में 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' नाम से किताब बनकर छपीं। वे अपनी अचकन पर ताज़ा गुलाब का फूल लगाते थे और बच्चों के बीच हमेशा मुस्कुराते दिखते थे।

नेहरू जी के विचार: नेहरू जी मानते थे कि जैसे हम आज अपने बच्चों को पालेंगे, वैसा ही कल का भारत बनेगा। उनके प्रधानमंत्री रहते देश में कई नए स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और विज्ञान संस्थान बने। वे चाहते थे कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा, पौष्टिक भोजन और खेलने का पूरा मौक़ा मिले, ताकि वह एक अच्छा नागरिक बन सके।

बाल दिवस कैसे मनाया जाता है: इस दिन स्कूलों का माहौल बदल जाता है। कई स्कूलों में बच्चे वर्दी की जगह रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर आते हैं। छोटे बच्चे नेहरू जी की तरह सफ़ेद टोपी पहनते हैं और कोट पर गुलाब लगाते हैं। शिक्षक बच्चों के लिए गीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत करते हैं। भाषण, चित्रकला, कविता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ होती हैं, खेल होते हैं और मिठाइयाँ या छोटे उपहार बाँटे जाते हैं।

बच्चों के अधिकार: बाल दिवस सिर्फ़ खुशी मनाने का दिन नहीं है। आज भी हमारे देश में बहुत से बच्चे ग़रीबी के कारण स्कूल नहीं जा पाते, भूखे रहते हैं या काम करने को मजबूर हैं। 2009 के शिक्षा के अधिकार क़ानून के तहत 6 से 14 साल के हर बच्चे को मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार मिला है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि यह अधिकार हर बच्चे तक पहुँचना चाहिए।

उपसंहार: बाल दिवस हमें सिखाता है कि बच्चों को प्यार, सम्मान और सुरक्षा देना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। अगर हर बच्चा पढ़ेगा, स्वस्थ रहेगा और ख़ुशी से बड़ा होगा, तो देश भी आगे बढ़ेगा। यही चाचा नेहरू का सपना था, और इसे पूरा करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

बाल दिवस पर 10 पंक्तियाँ

कक्षा 1 से 5 के लिए, या जिसे एक मिनट से कम समय मिला है। आराम से बोलें तो लगभग 50 सेकंड लगते हैं।

1. हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है।
2. यह पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन है।
3. उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था।
4. वे आज़ाद भारत के पहले प्रधानमंत्री थे।
5. बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे।
6. वे अपनी अचकन पर गुलाब का फूल लगाते थे।
7. नेहरू जी मानते थे कि बच्चे देश का भविष्य हैं।
8. इस दिन स्कूलों में गीत, नृत्य और खेल होते हैं।
9. कई स्कूलों में शिक्षक बच्चों के लिए कार्यक्रम करते हैं।
10. हर बच्चे को पढ़ने और खेलने का अधिकार है। बाल दिवस की शुभकामनाएँ!

In English: 1. Children's Day is celebrated every year on 14 November. 2. It is the birthday of Pandit Jawaharlal Nehru. 3. He was born on 14 November 1889 in Allahabad. 4. He was the first Prime Minister of free India. 5. Children lovingly called him "Chacha Nehru". 6. He wore a rose on his achkan. 7. Nehru ji believed that children are the future of the country. 8. On this day schools have songs, dances and games. 9. In many schools teachers put on a programme for the children. 10. Every child has the right to study and to play. Happy Children's Day!

बोलने का अभ्यास करें: www.talkdrill.com पर AI के साथ मुफ़्त में भाषण की प्रैक्टिस करें।